CRIME इंडिया BS आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक

आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : शुभम देशमुख

● वर्ष -३ ●अंक - ४१ ● बुधवार दि.३१ जुलै २०२४ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

भंडारा सिंघम का गौतस्करों में खौफ, LCB ने 133 गौवंशीयो को दिया जीवनदान

पुलीस विभाग को मिली कामयाबी : भंडारा जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई

14 लाख 50 हजार 500 रूपयो का मुद्देमाल जप्त : शाहपुर में हो रहे गौतस्करों पर लगा अंकुश

बाल गोपाल दुरुगकर और उनके पुत्र लोकेश दुरुगकर पर गुनाह दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा जिले में जब से पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी याने भंडारा जिले के सिंघम ने भार संभाला है तब से गौतस्करों पर अकुंश लगाने के लिए जिले के सभी थानों में कार्रवाई की जा रही है। लेकीन शाहपुर में गौतस्करों पर कार्रवाई करने के बावजूद भी दुरुगकर नमक व्यक्ती की ठिया बनाकर मवेशियों की गौतस्करी करने की जानकारी स्थानीय अपराध विभाग को मिली जानकारी के आधार पर टीम बनाकर शाहपुर में दुरुगकर के पुराने घर के पास छापा मारा जिसमें क्रूरता से गौवंशियों को बांध कर रखा था साथ ही 11 गौवंशी टाटा योद्धा वाहन में बांध कर रखे गए थे ऐसे कुल 133 गौवंशी को जीवनदान दिया।

इस कार्रवाई में आंबेडकर वार्ड शाहपुर निवासी बाल गोपाल ऋषिजी दुरुगकर उम्र 49 वर्ष और उनके पुत्र लोकेश बालगोपाल दुरुगकर उम्र 27 वर्षपर अपराध क्रमांक 230/24 कलम 11(1) (घ) (ड) (च) (ज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई मे 133 गौवांशी टाटा योद्धा ऐसे कुल 14,50,500 रूपयो की कार्रवाई की गयी। भंडारा सिंघम ने बताया की अवैध तरीके से पिकअप वाहनो से गौतस्करी करने वालो को अनोखी टैकनिक लगा कर पिकअप वाहनों को पकडा जयेंगा और इस कार्रवाई मे गौतस्करी करने वाले और जिस बाजार से गौवंश लाने वाले और जिस जगह गौवंश बजने वाले और जिन गाड़ियों से गौतस्करी हो रही उस गाड़ी मालक पर इन सभी पर गुनाह दर्ज किया जायेगा इस खबर से भंडारा जिले में गौतस्करी करने वालो में भंडारा सिंघम की दहशत बनी हुई है ।

यह कार्रवाई पुलीस अधिक्षक लोहित मातानी और अपर पुलीस अधिक्षक ईश्वर कातकड़े इनके मार्गदर्शन में पुलीस निरिक्षक नितिन चिंचोलकर, सहयक पुलीस निरिक्षक तुरकुंडे , पुलिस हवलदार गेंदलाल खैरे, पुलिस हवलदार कैलाश पटोले, पुलिस हवलदार राजु दोनोडे, पुलिस हवलदार सुनिल ठवकर, पुलिस हवलदार संजय दोनोडे, पुलिस हवलदार रमेश बेदुरकर, पुलिस नायक अंकुश पुराम, पुलिस सिपाही ढबाले, पुलिस सिपाही पेठे, पुलिस नायक गजभिये इनके सहयोग से किया गया है।

ढोलक की थाप पर गीत गाकर मांगी पेंशन

बुजुर्ग कलाकारों ने किया अनूठा आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : कई पीढ़ियों से कला का प्रदर्शन कर जीवन यापन करने वाले बुजुर्ग कलाकारों ने अपनी विविध मांगों के लिए शहर के त्रिमूर्ति चौक में ढोलक की थाप पर गीत गाकर पेंशन की मांग की। सोमवार 29 जुलाई को सामाजिक कार्यकर्ता परमानंद मेश्राम के नेतृत्व में किए गए इस अनूठे आंदोलन में जिले के अनेक कलाकार शामिल हुए। कलाकारों ने अपनी अलग अलग मांगे रखी।

समय के साथ-साथ समाज के मनोरंजन के साधन बदलते जा रहे हैं। ऐसे में कलाकारों को कला के बल पर अपना जीवन यापन करना कठिन होता जा रहा है। साथ ही सदियों से चली आ रही लोक कला भी विलुप्त होने की कगार पर है। ऐसे में कला को जीवित रखने वाले कलाकारों ने विविध मांगें की है। जिसमें वृध्द पेंशन देने, कलाकारों के मानधन चयन समिति की स्थापना करने, चयन समिति में राजनीति नहीं करते हुए सच्चे कलाकारों को लाभ देने, वृध्द कलाकारों की आयु 45 वर्ष करने, कलाकारों को बीमा लागू करने, शासकीय व अर्ध शासकीय अस्पताल में कलाकारों को विशेष सहूलियत देने, कलाकारों को कार्यक्रम में जाने के लिए टोल टैक्स से छूट देने, योजना के लिए कलाकारों का चयन करते समय उन्हें कला प्रस्तृत करने की शर्त रखने, बोगस कलाकारों को मानधन देना बंद करने की मांग की गई। कलाकारों ने अपने कला का प्रदर्शन किया। ढोलकी पर गीत गाकर अपनी मांगे रखी। इस समय सामाजिक कार्यकर्ता परमानंद मेश्राम, मनोज कोटांगले, भावेश कोटांगले समेत जिले के सैकड़ों कलाकार उपस्थित थे।

भंडारा जिले में पानी का कहर... कही सड़को पर,कही घरों में तो कही दुकानों में घुसा बारिश का पानी...

डी मार्ट जैसी बड़ी कंपनी की लापरवाही..तुमसर भंडारा मार्ग पर पानी ही पानी....

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तीन दिनों तक चली बारिश ने रविवार आधी रात से जोरदार रूप धारण कर लिया. जिले के तहसीलों के 28 राजस्व मंडलों में पिछले 24 घंटों में औसतन 83.1 मिमी बारिश हुई तुमसर को छोड़ दिया जाए तो शेष सभी तहसीलों में अतिवृष्टि हुई है. रात से हो रही भारी बारिश के कारण जिले के विभिन्न हिस्सों में 35 सड़के पानी में डूब गई. अनेक गांवों में पानी भर गया. अनेकों मकान पानी में डूब गए भंडारा शहर के भी कई निचले इलाकों में पानी घुस गया. इसमें समता नगर, भोजापुर, शिक्षक कॉलोनी, महामार्ग परिसर, शिवाजी नगर, नागपुर नाका, भंडारा-बाती महामार्ग स्थित डीमार्ट के सामने का भाग, गणेश नगरी आईटीआई परिस्त्र, खात रोड, आनंद मंगल कार्यालय परिसर, सां मंदिर कारधा परिसर, समता नगर, मेडा परिसर का समावेश है. जिले में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई. इसके चलते नदियां, नाले, नाले उफान पर हैं. इसके कारण छोटे पुलों और ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर पानी चढ़ जाने से उस मार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया है. जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया भारी करिश के कारण पूरे जिले में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने की तस्वीर आम देखने को मिली.

जिले की कई मुख्य सड़कों पर पानी चढ़ गया है. इससे कई गांवों में यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और लोगों के घरों में बारिश का पानी पुस गया. बाढ़ जैसी स्थिति से उबर रहे निवासियों पर पिछले सप्ताह बारिश की दोहरी मार पड़ी है.

लगातार बारिश के कारण बुआई का काम बाधित हो गया है और जमा पानी के कारण पौधे सड़ने लगे . बारिश के कारण खेती में पानी भर गया है और कई घर वह गए हैं. पानी घुसने से लोगों का जरूरी सामान खराब हो गया है.

जिले में 35 गांवों का संपर्क टूटा

भारी बारिश के कारण कई सड़कों और फूलों पर बाढ़ का पानी चढ़ गया परिणामस्वरूप लगभग 25 गांवों का संपर्क टूट गया है. इसमें भंहारा तहसील में मंदरा से कारया पुलारा-रामटेक जाया मारेगांव, खमारी ब्रिज, वितापुर-पारगांव, पांढराबोडी नाला, अंबाडी, सिल्ली, कहती -कक्ष मार्ग का समावेश है. पवनी तासीन में पालोरा-लोनारा, पामनी विरली, जूनीना नाला, खातखेड़ा सावरला, गोसे पकात बीचाल, महाला अध्याल, कोदा सोमनाला तुमसर तहसील में पिपरा तुमसर, सुकली माइल, साकोली तहसील में आमगांव साकोली, साकोली मतीटोला, किन्ही एकोडी और महसील के 12 गायों का समावेश है।

28 मंडलों में कहर बरपाया जिले के 28 राजस्व मंडलों में एक बार फिर भारी बारिश दर्ज की

गई है. इसमें भंडारा, पवनी, मोहाड़ी, साकोली और लाखांदूर लासील के गांव शामिल हैं. इसमें शाहपुर -843, मंधरा-77.8. बारगांव 111. बेला पहला 100.5 खमरी 11.8. बॉकरला -77.8. अहवाल 83.0, को- 83.0, पानी 3.0, बीवाल 83.0, आमगांव 113.8. सावरला 110.3, मोहाडी 2.3. पालोरा-130.2. साकोली, एकोडी 116.5, पोहरा 85.5, लाखनी 150.0, पालांदूर 96.0, पिपलगांव 30.0, विरली-43.8, लाखांदूर-96.3. वारक-152.0, माताल-63.0, आग-109.5 में अतिवृरी हुई।

डी मार्ट कंपनी ने किया रोड पर अतिक्रमण और पानी हुआ जमा महामार्ग पर....

पूरे भारत में प्रसिद्ध डी मार्ट कंपनी जो मार्केट से कम मूल्य में हर किस्म समान बेचती है। और लोगो की भीड़ हमेशा वहा होती है। तो दूसरी और भंडारा शहर के भंडारा तुमसर महामार्ग पर डी मार्ट है,लेकिन डी मार्ट के अतिक्रमण से नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बता दे की डी मार्ट ने गेट के पास रोड तक अतिक्रमण कर कंक्रीट से फ्लोर बनाया है जिसके चलते नाली ब्लॉक हो कर बरसात का पानी रोड पर ही जमा हो जाता है। रविवार को आई जोरदार बारिश के चलते सम्पूर्ण जिले में जलजमाव की स्थिति निर्माण हुई थी,ऐक्षे में भंडारा तुमसर महामार्ग पर पानी ही पानी देखने मिला था जिसके कारण नागरिकों भी यहा से आने जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसकी जानकारी आवाज भंडारा ने समय समय पर संबंधित अधिकारियों को देने के बाद भी अब तक कोई उचित कार्यवाही होते नजर नहीं आ रही है। अगर ऐसा ही अतिक्रमण गरीब इंसान करता और वहां अगर कोई छोटी सी दुकान लगा लेता तो, उस पर तुरंत कार्यवाही की जाती है। लेकिन डी मार्ट जैसी बड़ी कंपनी पर क्यों नही?? ऐसे सवाल नागरिकों द्वारा उपस्थित किए जा रहे है। अब देखने वाली बात है की क्या अब इस पर कोई कार्यवाही होती है इस और नागरिकों की नजरे बनी हुई है।

भंडारा जिला अस्पताल में समस्या ही समस्या....

टपक रही जिला अस्पताल की नई इमारत की छत

डॉक्टर साहब के केबिन को खूबसूरत बनाने के लिए लगते हैं लाखों रुपए ? लेकिन अस्पताल की बिल्डिंग आखिर जर्जर क्यों ?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला अस्पताल के परिसर में में वर्ष 2018 में नई इमारत बनाई गई। कोरोना महामारी में इसे कोविड वार्ड में तब्दील किया गया था। अब इस इमारत में वार्ड बनाकर मरीजों को भर्ती किया जा रहा हैं। लेकिन इमारत में शनिवार रात्रि से रविवार पूरे दिन जल रिसाव होता रहा। इस कारण मरीजों व उनके परिजनों को पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ी। मरीजों के परिजनों ने इस बारे में शिकायत करते हुए जनप्रतिनिधियों से ध्यान देने की मांग की है। जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को जल रिसाव के चलते समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों व उनके परिजनों ने यह समस्या उजागर की। जिसके बाद प्रहार के पूर्व जिलाध्यक्ष अंकुश वंजारी ने अस्पताल की इमारत का निर्माण करने वाले कान्ट्रैक्टर पर कार्रवाई करने की मांग की।

अस्पताल परिसर में जलजमाव

लगातार बारिश से जिला अस्पताल परिसर में जलजमाव हुआ। मरीजों के परिजनों को पानी के बीच से राह निकालकर अस्पताल में पहुंचना पड़ा। हालांकि, कुछ समय के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

भंडारा जिला अस्पताल की बिल्डिंग हो रही है जर्जर, बिल्डिंग जर्जर होने से बड़ा हादसा होने की संभावना

40 वर्ष होने पर भी नहीं किया जा रहा है देखभाल

भंडारा जिला सामान्य अस्पताल की बिल्डिंग निर्माण होने को 38 से 40 वर्ष पूरे हुए ऐसी जानकारी मिल रही है, सामान्य अस्पताल के डॉक्टर और अधिकारियों के केबिन को लाखों रुपए लगाकर खूबसूरत बनाया जा रहा है । लेकिन सरकारी अस्पताल की बिल्डिंग चारों तरफ से जर्जर हो रही है जिसमें कई हिस्सा गिरते हुए भी नजर आ रहा है कॉलम की सलाके सड़ गई है, दीवारे ढह गई है। कई दीवारों पर पोर्च पर सलाके नजर आ रही है जिसमें साफ नजर आ रहा है की सलाखों में पानी लगने के कारण गल कर सीमेंट का साथ छोड़ रही है । अस्पताल में लाखों रुपए बैठक के केबिन के लिए लगाए जा रहे हैं लेकिन बिल्डिंग 38 से 40 वर्ष पूरे होने के बावजूद भी बिल्डिंग की ओर संबंधित अधिकारीऔर इंजीनियर का ध्यान नहीं दे रहा है ।

इसके पहले भी इस अस्पताल में 11 नवजात शिशु ने अपनी जान गवाही थी तब जाकर शासन होश में आया था कई इस बार भी पानी से हो रही जर्जर बिल्डिंग कोई हादसे की रहा देख रही है. आवाज भंडारा इसकी जानकारी खबरों के माध्यम से और संपर्क करके संबंधित अधिकारियों और इंजीनियर को दी है ताकि इस बिल्डिंग में ऐसा कोई हादसा ना हो जिससे बाद में अफसोस किया जाए नगर परिषद द्वारा 30 वर्ष पुरानी बिल्डिंग को जमीनदोष करने के आदेश जारी किए गए थे या उसे पूर्ण निर्माण करने की जानकारी दी गई थी लेकिन अब तक ऐसी कोई इमारत या बिल्डिंग को नहीं गिराया गया ।इस जर्जर हो रहे अस्पताल की जानकारी नगर परिषद सीईओ करण कुमार चौहान को दी गई है अब देखना यह है कि इस खबर का संज्ञान लेते हुए इस बिल्डिंग का पूर्ण निर्माण किया जाता है क्या?

संपादकीय

कृषिक्षेत्राला तारणार?

केंद्रीय अर्थमंत्री निर्मला सीतारामन यांनी अर्थसंकल्पामध्ये कृषी क्षेत्रावर विशेष लक्ष केंद्रित करण्यात आल्याचे दाखवून दिले. त्या दृष्टीने करण्यात आलेल्या घोषणा बोलक्या आहेत. कृषी क्षेत्र- साठी १.५२ लाख कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली आहे.

जागतिक अर्थव्यवस्था अद्यापही धोरणात्मक अस्थिरतेच्या परिस्थितीशी झुंजत आहे. नाशवंत वस्तू बाजारात लवकर पोहोचाव्यात यासाठी उपाययोजना करण्यात आल्या आहेत. देशातील ४०० जिल्ह्यांमध्ये डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर वापरून खरीप पिकांचे डिजिटल सर्वेक्षण करण्याची घोषणा अर्थमंत्र्यांनी केली. पाच राज्यांमध्ये जनसमर्थनावर आधारित किसान क्रेडिट कार्ड जारी केली जातील. तसेच कोळंबी, मासे आणि ब्रूडस्टॉकसाठी केंद्रीकृत प्रजनन केंद्रांचे जाळे उभारण्यासाठीआर्थिक सहाय्य देण्याची घोषणाही करण्यात आली आहे. त्याचबरोबर ग्रामीण अर्थव्यवस्थेच्या वाढीला गती देण्याच्या आणि रोजगार निर्मितीच्या उद्देशाने राष्ट्रीय सहकार्य धोरण तयार करण्याची घोषणा करण्यात आली. शेतीसाठी आधुनिक साठवण, पुरवठा साखळीवर भर, सरकार मोहरी आणि भुईमूग लागवडीला अधिक प्रोत्साहन देईल, मत्स्यपालन योजनेला चालना देण्यासाठी काम केले जाईल, सागरी खाद्य निर्यात दुप्पट करण्याचे लक्ष राखले जाईल तसेच सरकार पाच एकात्मिक एक्वा पार्क उघडणार आहे, असे निर्मला सीतारामन यांनी या अर्थसंकल्पातून स्पष्ट केले, त्यांनी नऊ प्राधान्यक्रम निश्चित केले आहेत. यामध्ये कृषी क्षेत्रातील उत्पादकता, रोजगार आणि क्षमता विकास, एकूणच मानव संसाधन विकास, सामाजिक न्याय, उत्पादन आणि सेवा, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, पायाभूत सुविधा, नवोपक्रम, संशोधन आणि विकास, पुढील पिढीतील सुधारणा या घटकांना प्राधान्य देण्याबाबत भाष्य केले.

त्यांची ही तयारी आणि त्यातून पुढे आलेल्या तरतुदी लक्षवेधी आहेत, मात्र या घोषणा केवळ घोषणाच राहणार नाहीत, हे पाहावे लागेल. कृषी क्षेत्रासाठी तब्बल १.५२ लाख कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली आहे. सध्या बाजारात सेंद्रिय उत्पादनाला चांगला भाव मिळतो आहे. जागतिक बाजारात सेंद्रिय गहू, तांदूळ यांच्यासह अनेक गोष्टींना चांगला भाव मिळत असल्याने नैसर्गिक शेतीबाबत मोदी सरकारने महत्त्वाचा निर्णय घेतला असला, तरी पिकांच्या प्रमाणीकरणाचा प्रश्न आहेच. देशात दहा हजार हावायो रिसर्च सेंटरह तयार केली जातील. ३२ पिकांच्या १०९ जाती आणल्या जाणार आहेत. देशातील चारशे जिल्ह्यातील पिकांचे डिजिटल सर्वेक्षण करण्यात येईल, तर एक कोटी शेतकऱ्यांना नैसर्गिक शेतीसाठी प्रोत्साहन देण्यात येईल. नैसर्गिक शेतीबाबतचे प्रशिक्षण आणि माहिती शेतकऱ्यांना दिली जाईल. यानंतर शेतकऱ्यांना नैसर्गिक शेतीचे प्रमाणपत्रदेखील देण्यात येणार आहे. यामुळे त्यांचा फायदा होणार आहे. अर्थसंकल्पात केंद्र सरकारचे लक्ष कृषी पायाभूत सुविधा मजबूत करणे, कृषी क्षेत्रातील तंत्रज्ञानाला चालना देणे आणि नैसर्गिक शेतीकडे शेतकऱ्यांचा कल वाढवणे यावर केंद्रित आहे. मात्र, पंतप्रधान किसान सन्मान निधी आणि किमान हमी भावाच्या रकमेत वाढ करण्याबाबत अर्थसंकल्पात कोणतीही घोषणा करण्यात आलेली नाही.

300 एकर शेती वैनगंगेने केली गिळंकृत, शेतकरी होत आहेत भूमीहीन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : बेसुमार रेती उपशामुळे नदीचे पात्र तुमसर तालुक्याच्या उमरवाडा, बोरी व कोष्टी या गावाच्या दिशेने सखल झाले आहे. दरवर्षी पुरामुळे नदीकाठ भूस्खलन होत असून प्रचंड वेगाने शेती नदीत समाविष्ट होत आहे. एकट्या बोरी येथे सुमारे ३०० एकर शेती नदीपात्रात समाविष्ट झाली आहे. दरवर्षी नदीकाठ भूस्खलन होत असून त्याकडे शासनाचे दुर्लक्ष होत आहे. येथे तात्काळ संरक्षण भिंतीचे बांधकाम न केल्यास येत्या काही वर्षात ही तीन गावे नदीपात्रात समाविष्ट होण्याच्या धोका आहे.

तालुका मुख्यालयापासून अवघ्या तीन किलोमीटर अंतरावर असलेल्या बोरी उमरवाडा व कोष्टी या गावाच्या दिशेने झपाट्याने वैनगंगेचे नदीपात्र पुढे सरकत आहे. त्यामुळे या तिन्ही गावांना धोका निर्माण झाला आहे. मागील वीस वषार्पासून नदीचे पात्र गावाच्या दिशेने झपाट्याने पुढे सरकत आहे. परंतु प्रशासनाचे त्याकडे दुर्लक्ष आहे. एकट्या बोरी येथे सुमारे ३०० एकर शेती मागील २० वर्षात वैनगंगा नदीने गिळंकृत केली आहे. विनोद साखरवाडे या शेतकऱ्याची तर बारा एकर शेती नदीपात्रात समाविष्ट झाली. रोशनलाल मेश्राम यांची दहा एकर शेती नदीपात्रात गेली, दोन एकर तसेच तीन एकर अशी शेतकऱ्यांची शेती येथे नदीपात्रात समाविष्ट झाली. शेतकरी भूमिहीन होण्याच्या मार्गावर आहेत. दरवर्षी पुरात येथील शेतीमधील पीक नष्ट होत आहे. शेतकऱ्यावर कर्जबाजारी होण्याची वेळ आली आहे.

नदीचा प्रवाह का वळला ?

तुमसर व तिरोडा हे दोन्ही तालुके या नदीपात्राच्या काठावर आहेत. तुमसर व तिरोडा तालुक्यात मोठ्या प्रमाणात वाळूच्या उपसा दरवर्षी केला जातो. त्याच्या परिणाम असा झाला की तुमसर तालुक्याच्या दिशेने नदीचे पात्र है सखल झाले असून एक ते दीड किलोमीटरच्या मोठा खड्डा येथे पडला आहे. पावसाळ्यात नदीच्या प्रवाह त्या सखलभागातून तुमसर तालुक्यातील गावाकडे वळणे सुरू झाले.

अनिल बावनकर यांनी केले होते प्रयत्न

२०१० - ११ मध्ये आमदार अनिल बावनकर यांनी राज्याचे कृषिमंत्री बाळासाहेब विखे पाटील यांना बोरी येथे वैनगंगेच्या नदी काठावर पाहणी करिता घेऊन आले होते. त्यांनी संरक्षण भिंत बांधण्याकरिता निधी देता येईल काय व एवढ्या विस्तीर्ण नदीला संरक्षण भिंत बांधण्यासंदर्भात सचिव स्तरावर चर्चा करणार असल्याचे सांगितले होते. परंतु त्यानंतर मात्र कोणतीही चर्चा झाली नाही.

नदीपात्र बदलण्याची गरज

उन्हाळ्यात या गाव परिसरातील नदीचे पात्र उपसा करून समतल करण्याची गरज आहे. त्यामुळे तुमचा तालुक्यातील गावाकडील सखल भाग हा समतोल होईल. तसेच या गावाच्या दिशेने सुमारे दीड तो दोन किलोमीटर संरक्षण भित बांधल्यास नदीकाठाचे भूस्खलन होणार नाही. त्या करीता सुमारे ३० ते ३५ कोटी निधीची गरज आहे. हा निधी खेचून कोण आणणार, असा प्रश्न आहे.

प्रीपेड स्मार्ट मिटरमुळे ग्राहकांना फटका

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : तालुक्यासह भंडारा जिल्हा वसंपूर्ण महाराष्ट्रातील शेतकरी, शेतमजूर व सर्वसामान्य नागरिकांची आर्थिक परिस्थिती नसतांना प्रीपेड स्मार्ट मीटर लावणे बंधनकारक असल्याचा निर्णय लादणे म्हणजे जनतेवर अन्याय असुन यामुळे विज ग्राहकांना विविध समस्यांचा सामना करावा लागणार आहे.

त्यामुळे महाराष्ट्रात विद्युत स्मार्ट प्रीपेड मीटर लावण्याचा शासनाने घेतलेला निर्णय मागे घ्यावा असे लाखनी तालुक्यातील जनतेकडून राज्याचे मुख्यमंत्री वित्तमंत्री व ऊर्जा मंत्र्यांना मागणी केली जात असतांना प्रशासनासह सर्व लोकप्रतिनिधी यांनी तात्काळ दखल घेऊन विज बिलाचे प्रीपेड स्मार्ट मीटर लावण्याचा निर्णय मागे घेण्यासंबंधाने कार्यवाही प्राधान्य देणे गरजेचे आहे.

विदभार्तील परिस्थितीमुळे हलाखीच्या शेतकऱ्यांच्या आत्महत्या होत आहेत. सध्या स्थितीत विद्युत देयकाचा भरणा अदा करण्याकरिता ४० दिवसांचा अवधी दिला जातो. मात्र प्रीपेड स्मार्ट मीटर लावल्यानंतर त्यामध्ये आधीच रिचार्ज करावा लागणार आहे. त्यातल्या त्यात अनेक गरीब आणि शेतकऱ्यांकडे स्मार्टफोन उपलब्ध नसून दुर्गम भागातील लोकांना प्रीपेड स्मार्ट मीटर काय आहे.

किटाडीत वर्ग सात अन शिक्षक चार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

किटाडी: लाखनी तालुक्यातील किटाडी येथील जिल्हा परिषद शाळेलाही जवळपास आठ-दहा महिन्यांपासून पदवीधर विषय शिक्षक नसल्याने विद्यार्थ्यांचे शैक्षणिक नुकसान होत आहे. वर्ग सात आणि शिक्षक चार अशी विदारक स्थिती किटाडीच्या जिल्हा परिषद शाळेत आहे. शाळेत पुन्हा तीन शिक्षकांची गरज आहे. याबाबत शाळा व्यवस्थापन समिती, पालक व गावकऱ्यांकडून शाळेत तत्काळ शिक्षकांची नियुक्ती करण्याची गटशिक्षणाधिकाऱ्यांना मागणी दिलेल्या निवेदनातून करण्यात आली आहे.

किटाडी येथील जिल्हा परिषद शाळेत इयत्ता पहिली ते सातवीपर्यंतचे वर्ग आहेत. शाळेत एकूण २०७ विद्यार्थी शिक्षण घेत आहेत. सद्यःस्थितीत

शाळेत एकण चारच शिक्षक कार्यरत आहेत. त्यामुळे सातही वर्गाच्या अध्यापनाचा भार आता केवळ चार शिक्षकांवरच आला आहे. सात वगार्तील विद्यार्थ्यांना शिकवताना चार शिक्षकांची दमछाक होत आहे. तसेच शाळेचे कामकाजही कार्यरत असलेल्या चार शिक्षकांनाच करावे लागत आहे. गोरगरीब विद्यार्थ्यांचे होणारे शैक्षणिक नकसान लक्षात घेता आता तरी तातडीने शाळेला पदवीधर शिक्षक द्या, या मागणीचे निवेदन सरपंच कल्पेश कुळमते, उपसरपंच पंकज घाटबांधे, पोलिस पाटील प्रशांत धुर्वे, शाळा व्यवस्थापन समितीचे अध्यक्ष कुंजीलाल चौधरी, शिक्षणतज्ज्ञ जागेश्वर निखारे यांच्यासह पालकांकडून गटशिक्षणाधिकाऱ्यांना देण्यात आले आहे.

आपल्या स्तरावरून शिक्षकांच्या रिक्त जागांविषयी जिल्हा परिषदेला कळविले आहे. जिल्हा परिषदेकडून शिक्षकांची पूर्तता होताच किटाडी जिल्हा परिषद शाळेत तातडीने शिक्षकांची नेमणूक करण्यात येईल.

- सुभाष बावनकुळे, गटशिक्षणाधिकारी, पं. स., लाखनी.

किटाडी जिल्हा परिषद शाळेत शिक्षकांची वानवा आहे. चार शिक्षकांना सातही वगार्ना सांभाळावे लागत आहे. अशावेळी विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक प्रगती होणार तरी कशी? असा प्रश्न पडतो. शिक्षकांअभावी शैक्षणिक कार्यात अडचण निर्माण होत आहे. याबाबत निवेदनाच्या माध्यमातून शिक्षण विभागाकडे वेळोवेळी पाठपुरावा करूनही शिक्षकांची नियुक्ती करण्यात आलेली नाही.

- कुंजीलाल चौधरी, अध्यक्ष, शाळा व्यवस्थापन समिती, किटाडी.

आरटीईच्या ७७० प्रवेशापैकी ७६० बालकांच्या प्रवेश यादीला मंजुरी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सन २०२४-२५ या शैक्षणिक वर्षाच्या शिक्षण अधिनियमानुसार दुर्बल व वंचित घटकाकरिता २५ टक्के ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रियेंतर्गत निवड यादीतील प्रवेश पात्र बालकांचे प्रवेश सुरू करण्याबाबतचे पत्र पुणे येथील प्राथमिक शिक्षण संचालकांनी प्राथमिक शिक्षणाधिकाऱ्यांना दिले आहे. जिल्ह्यात १० शाळांमधील आरटीईच्या ७७० प्रवेशपात्र जागा उपलब्ध असून त्यापैकी ७६० जागांवर प्रवेशाची मंजुरी प्राप्त झाली आहे. तर ६९० अर्ज प्रतीक्षेत आहेत. शाळा सुरू झालेली असताना विलंबाने का होईना अडकलेली प्रक्रिया सुरू झाल्याने पालकांनी सुटकेचा निःश्वास टाकला आहे.

शिक्षण हक्क अधिनियमानुसार दुर्बल व वंचित घटकाकरिता २५ टक्के ऑनलाइन प्रवेशासाठी शालेय शिक्षण विभागाने ०९ फेब्रुवारी रोजी अधिसूचना काढली होती. त्यास मुंबई उच्च न्यायालयाची अंतरिम स्थगिती असल्यामुळे ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रियेची निवड यादी व प्रतीक्षा यादी जाहीर करण्यात आली नव्हती. उच्च न्यायालयाने जनहित याचिका व रिट याचिकेवर १९ जुलै रोजी अंतिम निर्णय दिला.

त्यामुळे ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रियेची ७ जून २०२४ रोजी काढण्यात आलेल्या सोडत, निवड यादी व प्रतीक्षा यादी २० जुलै रोजी संकेत स्थळावर प्रसिद्ध करण्यात आली. या सोडतीद्वारे शाळेमध्ये प्रवेशासाठी निवड झालेल्या बालकांच्या पालकांना त्यांनी नोंदणी केलेल्या मोबाइल क्रमांकावर २२ जुलै पासून एसएमएस पाठविण्यात येत आहे. प्रवेश मिळाल्याचा एसएमएस प्राप्त झालेल्या पालकांनी २३ ते ३१ जुलै पर्यंत संबंधित तालुकास्तरावरील पडताळणी समितीकडे कागदपत्रांची पडताळणी करून पडताळणी समितीमार्फत आपल्या बालकांचा प्रवेश निश्चित करून घेण्याबाबत सूचना देण्यात आल्या आहेत.

पालकांनी आरटीई पोर्टलवरील स्थिती पहावी

सन २०२४-२५ शैक्षणिक वषासार्ठी आरटीई २५ टक्के प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत ऑनलाइन सोडतीद्वारे निवड झालेल्या निवड यादीतील बालकांच्या पालकांनी प्रवेशासाठी केवळ एसएमएसवर अवलंबून न राहता आरटीई पोर्टलवरील अजार्ची स्थिती बालकाचा अर्ज क्रमांक टाकून पाहावी. वेळोवेळी दिलेल्या सूचनांचे अवलोकन करावे.

- वर्षा बेले, शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक), भंडारा.

मोहाडीचे आराध्य रामटेके ठरली इंडियन किड्स सीजन 4 ची सेकंड रनरऑप

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्यातील मोहाडी तालुक्यातील शासकीय स्वस्त धान्य वितरक म्हणून ओळख असलेल्या सुरेश रामटेके यांची कन्या आराध्य रामटेके ही ड्रीम प्रोजेक्ट दिल्ली येथे आयोजित फॅशन शो स्पर्धेमध्ये सहभागी झाली वरील स्पर्धेत देशभरातील असंख्य बालिकांनी या स्पर्धेत सहभाग नोंदवला यात आराध्य सुरेश रामटेके या बारा वर्षीय मुलींने स्पर्धेत बाजी मारत उपविजेता विजेता ठरली.

आराध्या ला मिळालेल्या यशाचे सर्व स्तरावरून कौतुक होत आहे. आराध्य ला मिळालेल्या यशामुळे भंडारा जिल्ह्याचे नाव देशाच्या राजधानी मध्ये चमकलेले आहेत.

एक रुपयात विमा, तरी शेतकऱ्यांनी का फिरवली पाठ ?

आवाज भंडारा / कैलास चव्हाण

भंडारा : केंद्र शासनाने गेल्या वषीर्पासून प्रधानमंत्री पीक विमा योजनेंतर्गत एक रुपयात पीक विमा उतरण्याची सुविधा उपलब्ध करून दिले आहे. मात्र, शेतकऱ्यांना योग्य लाभ मिळत नसल्याने आणि मुख्यमंत्री लाडकी बहीण योजनेच्या अजार्ची गर्दी झाल्याने शेतकऱ्यांना अर्ज भरण्यात अडचणी यायला लागल्या. त्यामुळे यावर्षी जिल्ह्यातील शेतकऱ्यांची पाठ फिरविल्याची परिस्थिती दिसून येत आहे. आता ३१ जुलैपर्यंत मुदतवाढ मिळाल्याने शेतकऱ्यांना विमा उतरविण्याची संधी मिळाली आहे.

शेतकऱ्यांचे नैसर्गिक आपत्तीमुळे होणारे नुकसान टाळण्यासाठी, तसेच पिकांना संरक्षण मिळावे, याकरिता शासनाने एक रुपयात पीक विमा काढण्याची सुविधा उपलब्ध करून दिली आहे. शासनाने शेतकऱ्यांना पीक विमा काढण्याकरिता १५ जुलैपर्यंत मुदत दिली होती; परंतु याच कालावधीत मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजनाही सुरू करण्यात आल्याने या योजनेच्या लाभार्थ्यांनी अर्ज भरण्याकरिता एकच गर्दी केली होती. त्यामुळे शेतकऱ्यांना पीक विमा काढण्यात अडचणी यायला लागल्याने शेतकऱ्यांनी अर्जच दाखल केले नाही. मुदतवाढीची मागणी केल्यावर शासनाने ३१ जुलैपर्यंत मुदतवाढ दिली आहे.

७९,२३३ शेतक-्यांनी भरला विमा

यावर्षी खरीप हंगामात आतापर्यंत एकूण ७९ हजार २३३ शेतकऱ्यांनीच पीक विमा उतरविला आहे. विम्यासाठी अर्ज संख्या १,७९,१७८ इतकी आहे. ही संख्या १९ जुलैपर्यंतची असून, येत्या ३१ जुलैपर्यंत यात आणखी वाढ होण्याची शक्यता आहे.

८६,६५९ हेक्टरचा काढला विमा

जिल्ह्यात आतापर्यंत एकूण ८६ हजार ६५९ हेक्टरचा पीक विमा उतरविण्यात आला आहे. त्यामुळे या क्षेत्रातील पिकांना संरक्षण मिळाले आहे. शासनाने आता ३१ जुलैपर्यंत मुदतवाढ दिल्याने विमा संरक्षित क्षेत्रात आणखी वाढ होण्याची शक्यता आहे.

१,१८,०९६ शेतक-्यांनी भरला होता विमा

मागील वर्षी शेतकऱ्यांना एक रुपयांत पीक विमा काढण्याची संधी उपलब्ध करून दिल्याने १,१८,०९६ शेतकऱ्यांनी पीक विमा काढला होता. जिल्ह्यातील २ लाख ६८ हजार ५११ शेतकऱ्यांनी पीक विमा योजनेसाठी अर्ज केले होते.

विमा एक रुपयात, कागदपत्रासाठी चारशे रुपयांचा खर्च

शासनाने एक रुपयात पीक विमा उपलब्ध करून दिला आहे; पण त्यासाठी आवश्यक कागदपत्रांची जुळवाजुळव करताना शेतकऱ्यांची दमछाक होत आहे. त्याकरिता किमान ४०० रुपयांपर्यंत खर्च येत आहे. ग्रामीण भागातील शेतकऱ्यांची मोठी अडचण होत असून, गावात नेटवर्कच्या अडचणी कायम आहेत. त्यांना अर्ज भरण्याकरिता तालुक्याला जावे लागते.

का घटली शेतक-्यांची संख्या ?

पीकविमा उतरवूनही शेतकऱ्यांनी पिकांची नुकसान भरपाई मिळत नाही, अशी ओरड शेतकऱ्यांमध्ये आहेत. यामुळे शेतकरी यावर्षी पीकविमा उतरविण्यासाठी पुढे येत नसल्याचे दिसून येत आहे. मागील वर्षी पीकविमा काढलेल्या शेतकऱ्यांना अद्यापही नुकसान भरपाई मिळालेली नाही.नुकतीच 'मुख्यमंत्री- माझी लाडकी बहीण योजनेची घोषणा केली. या योजनेचे अर्ज भरण्याकरिता महिलांची सेतू केंद्रावर मोठी गर्दी असल्याने पीकविमा काढण्याचे अर्ज मागे पडले आहे.

जिल्ह्यातील शेतकरी म्हणतात...

शासनाने पीक विमा योजनेसाठी ३१ जुलैपर्यंत मुदतवाढ दिल्याने काहीसा दिलासा मिळाला आहे. पीकविमा उतरविण्याकरिता सुरुवातीला १५ जुलैपर्यंतची मुदत दिली होती; परंतु याच कालावधीत मुख्यमंत्री- माझी लाडकी बहिण योजना सुरू झाल्याने सेतू केंद्रावर अर्ज भरण्याकरिता गर्दी झाली होती. शेतकऱ्यांना अजार्साठी संधीच मिळत नव्हती.

- महादेव फुसे, शेतकरी.

अतिवृष्टीत १६७४ घरांची पडझड, ६० घरे जमीनदोस्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : गत तीन दिवसांपासून आलेल्या पावसामुळे झालेल्या अतिवृष्टीत जिल्ह्यातील १६७४ घरांची अंशतः पडझड झाली आहे. यात ६० घरे पूर्णतः जमीनदोस्त झाली आहे. घरांची पडझड झालेल्यांमध्ये लाखांदूर तालुक्यातील ओपारा, विरली, ढोलसर व राजनी या गावांचा समावेश आहे. दुसरा क्रमांक पवनी तालुक्यातील असून तेथील ३१० घरांची पडझड झाली आहे.

२१ जुलै रोजी रात्री दरम्यान झालेल्या अतिवृष्टीमुळे पवनी तालुक्यातील आसगाव येथे पावसाचे पाणी मोठ्या प्रमाणात जमा झाले होते. रस्त्यावर पाणी आल्याने बचाव कार्यात मोठा अडथळा निर्माण झाला होता. तहसीलदार व जिल्हा शोध व बचाव पथकाच्या माध्यमातून सहकार्य करीत लोकांना सुरक्षितस्थळी हलविण्यात आले.

यावेळी झालेल्या अतिवृष्टीमुळे पवनी तालुक्यातील ३१० घरांची अंशतः पडझड झाली तर पाच घरे पूर्णतः जमीनदोस्त झाली. याशिवाय लाखांदूर तालुक्यातही रात्रीला झालेल्या अतिवृष्टीमुळे ओपारा येथे मोठ्या प्रमाणात पावसाचे पाणी जमा झाले. पूर्ण गावच पाण्याने वेढला गेला. यात ओपारासह राजनी, विरली व ढोलसर गावांतील एकूण १३६०घरांची पडझड झाली, तर ५५ घरे पूर्णतः जमीनदोस्त झाली होती. ढोलसर येथेही जिल्हा शोध व बचाव पथकाच्या माध्यमातून नागरिकांना सुरक्षितस्थळी हलविण्यात आले.

वैनगंगा नदीने धोक्याची पातळी गाठली

संजय सरोवर व धापेवाडा बॅरेजचे पाणी सोडल्यामुळे वैनगंगा नदीची इशारा पातळी गाठली आहे. सध्या धोका पातळी २४५.५० मीटर इतकी आहे.

तलाठी कार्यालयांना मिळणार हक्काच्या इमारती : 30 इमारतींना मंजुरी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : भाड्याच्या घरात असलेल्या तलाठी कार्यालयांना आता हक्काच्या इमारती मिळणार आहेत. तलाठी कार्यालयाच्या शासकीय इमारतीसाठी तांत्रिक मान्यता मिळाली आहे. लवकरच मोहाडी तालुक्यात तीस तलाठी कार्यालय स्वतःच्या इमारतीत दिसून येणार आहेत.

मोहाडी तालुक्यात ३८ तलाठी कार्यालय आहेत. त्यापैकी तीस तलाठी कार्यालयाच्या शासकीय इमारती लवकरच उभ्या राहणार आहेत. त्यासाठी तलाठी कार्यालयासाठी अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले. अंदाजपत्रकाची किंमत ४ कोटी ७७ लाख ९२ हजार एवढी आहे. नागपूर सार्वजनिक बांधकाम मंडळ अधीक्षक अभियंता यांच्याकडून तांत्रिक मंजुरी प्राप्त झाली आहे. आता प्रशासकीय मान्यता व निधीच्या उपलब्धतेची प्रतीक्षा संपली आहे. प्रशासकीय मान्यता

व निधी मंजूर करण्यात आला आहे.

पुढच्या आठवड्याभरात तलाठी कार्यालयाच्या इमारत बांधकामाची निविदा काढली जाणार असल्याची माहिती मिळाली. तलाठी कार्यालय हक्काची असावीत, यासाठी सातत्याने आमदार राजू कारेमोरे यांनी प्रशासन व शासनाकडे पाठपुरावा केला. लवकरच या तलाठी कार्यालयाच्या इमारती उभ्या दिसणार आहेत.

येथे होणार तलाठी कार्यालयाचे बांधकाम

मोहाडी तालुक्यात खुटसावरी, चिचोली, पांजरा, जांब, धुसाळा, नवेगाव, शिवनी, धोपे, सालई खुर्द, उसर्रा, सालई बुटूक, टांगा, डोंगरगाव, कुशारी, रोहा, कान्हळगाव सिर, वडेगाव, मांडेसर, नेरी, सातोना, मोहगाव देवी, दहेगाव, बेटाळा, देव्हाडा बु., मोहगाव बु., मुंढरी बु., जांभोरा, पारडी, पाचगाव, निलज बु. व खडकी या गावांमध्ये तलाठी कार्यालयाच्या नवीन दिमाखदार इमारती तयार केल्या जाणार आहेत.

भाड्याने आहेत कार्यालय

तलाठी कार्यालयाच्या इमारती नव्याने तयार होणार आहेत. पण, हे सगळे तलाठी कार्यालय भाड्याच्या घरात आजही आहेत. भाड्याने दिलेल्या तलाठी कार्यालयाचे भाडे २०१५ पासून थकीत पडलेले आहेत. थकीत भाडे आधी देण्यात यावेत, अशी मागणी भाडे मालकांनी केली आहे.

वीज कोसळून रोवणी करताना महिला मजूर ठार, तीन जखमी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तालुक्यातील मांगली शेत शिवारात शुक्रवारी दुपारी ४ वाजेच्या सुमारास मुसळधार पाऊस बरसला. यावेळी वीज कोसळल्याने रोवणीच्या कामावर असलेल्या एका महिला मजुराचा जागीच मृत्यू झाला, तर अन्य तीन महिला मजूर जखमी झाल्या. अन्य २ पुरुष मजूर थोडक्यात बचावले.

अंतकला हिरामण नेवारे (६०, रा. मांगली) असे मृत महिला मजुराचे नाव आहे. तसेच निला नीलकंठ करंडे (६२), शशिकला साहेबलाल शरणागत (५५), विजया मुन्नालाल शरणागत (५७, सर्व रा. मांगली) अशी जखमी महिला मजुरांची नावे आहेत. जखमी महिलांना तुमसरच्या उपजिल्हा रुग्णालयात उपचारासाठी दाखल करण्यात आले आहे. तसेच

देवसर्रा गावात आलेल्या वादळाने अनेक घरांचे छत उडाले आहे. शेतकऱ्यांचे सौर ऊर्जेवरील पॅनलचे नुकसान झाले आहे.

वीज कोसळून महिला मजूर आणि शतेकरी दगावण्याची ही याच आठवड्यातील सलग तिसरी घटना आहे. जिल्ह्यात सध्या रोवणीचा हंगाम सुरू असल्याने शेतामध्ये काम करणाऱ्या मजुरांचा जीव धोक्यात घालून काम करावे लागत आहे.

शारदा विद्यालय तुमसर च्या दोन विद्यार्थ्यांची जवाहर नवोदय विद्यालयात निवड

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : स्थानिक शारदा विद्यालय व कन्या कनिष्ठ महाविद्यालय तुमसर च्या दोन विद्यार्थ्यांनी जवाहर नवोदय विद्यालयाच्या परीक्षेत प्राविण्य प्राप्त केले असून त्यांची जवाहर नवोदय विद्यालय पाचगाव येथे निवड झाली. अक्षित योगेश भुरे आणि तन्मय विजय गिरीपुंजे या विद्यार्थ्यांनी इयत्ता ११ वीत जवाहर नवोदय विद्यालय पाचगाव येथे प्रवेश घेतलेला असून या विद्यार्थ्यावर अभिनंदनाचा

अक्षित भुरे

तन्मय गिरीपुंजे

वर्षाव होतो आहे.

पूजा शिक्षण संस्थेचे अध्यक्षमहाबिरप्रसाद अग्रवाल, सचिव रामकुमार अग्रवाल, मुख्याध्यापक राहुल डोंगरे सह, ज्योती बालपांडे, दिपक गडपायले, संजय बावनकर, श्रीराम शेंडे, नीतुवर्षा मुकूर्णे, प्रीती भोयर, विद्या मस्के, रूपराम हरडे, अशोक खंगार, सीमा मेश्राम, सुकांक्षा भुरे, अंकलेष तिजारे, दिपक बालपांडे,नारायण मोहनकर, झंकेश्र्वरी सोनवाणे, शिक्षकवृंद व शिक्षकेत्तर कर्मचारी वृंद यांनी या यशस्वी विद्यार्थ्यांचे अभिनंदन केले.

पाणंद रस्ता कामावर बोगस मजुरांसह स्वयंपाकी महिला

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा): खैरलांजी येथील पाणंद रस्त्याच्या अकुशल कामावर बोगस मजुरांसह जिल्हा परिषद शाळेत मध्यान्ह भोजन तयार करणाऱ्या स्वयंपाकी महिलेचे नाव रोजगार सेवकाने रोहयोच्या कामावर घातले. चौकशी अधिकाऱ्याच्या चौकशीत हा गैरप्रकार निष्पन्न झाला. रोजगार सेवकाने शासकीय निधीचा दुरुपयोग केल्याचे चौकशीत आढळून आल्यानंतर चौकशी अहवालात रोजगार सेवकाला दोषी ठरविण्यात आले आहे. एप्रिलपासून गाजत असलेल्या प्रकरणात तब्बल ३ महिन्यांनंतर तक्रारकर्त्यांना न्याय मिळाला आहे. हे प्रकरण पोलिस ठाण्यात पोहोचले होते.

खैरलांजी गावातील निगम डायरे ते सूरज पारधी यांच्या घरापर्यंतच्या रोहयो अकुशल कामावर १२० मजूर कामावर होते. यात १० मजूर बोगस असल्याची माहिती मिळताच उपसरपंच नवनीत मेश्राम, ग्रामपंचायत सदस्य शिशुकला ठाकरे, प्रेमलता तिवाडे, वीणा मते, देवकन पारधी यांनी प्रत्यक्ष पाहणी केली होती. रोजगार सेवक बोगस मजुरांची नावे नोंदवून शासकीय निधी लाटत असल्याचे दिसून आले. याप्रकरणी खंडविकास अधिकाऱ्यांना तक्रार

करण्यात आली होती. तक्रारीनंतर उपसरपंच आणि सदस्यांसोबत रोजगार सेवकाने भांडण केले. शिवीगाळ केली. याप्रकरणी तुमसर पोलिस ठाण्यात तक्रार दाखल झाली आहे.

गावात बोगस मजुरांच्या नावावर रोजगार सेवकाने निधी लाटल्याचा प्रकार चर्चेत आल्यानंतर आरोप-प्रत्यारोप सुरू झाले. १८ लाख ८ हजार ८७३ रुपये खर्चाच्या पाणंद रस्त्याच्या कामाची चौकशी करण्याची मागणी सदस्यांनी लावून धरली. बोगस मजूर प्रकरण तापत असताना खंडविकास अधिकाऱ्यांनी चौकशी समिती नेमली. ८ एप्रिल ते १९ एप्रिलपर्यंत कामाची चौकशी करण्यात आली. ग्रामपंचायतच्या सभागृहात १ जुलैला १० बोगस मजुरांना समितीने चौकशीसाठी पत्र दिले. परंतु, ९ बोगस मजूर चौकशी समितीच्या समोर गैरहजर होते. एक मजूर उपस्थित झाला. मजुराचे नाव ऐकून समिती सदस्यांच्या भुवया उंचावल्या. बोगस मजुरांच्या यादीत १० क्रमांकावर जिल्हा परिषद शाळेत मध्यान्ह भोजन तयार करणाऱ्या स्वयंपाकी महिलेचे नाव होते. दुर्गा रवी मते या महिलेचे नाव आल्याने त्यांनाही धक्काच बसला.

रोजगार सेवक टेकचंद जीवन डाकरे यांच्याविरोधात समितीने दोषी असल्याचा अहवाल दिला आहे. दरम्यान, हे बोगस मजुरांचे प्रकरण 'लोकमत'ने लावून धरले. उपसरपंचासह ग्रामपंचायतच्या सदस्यांना तब्बल तीन महिन्यांचे नंतर न्याय मिळाला आहे.

पाठबळ दिल्यास आमरण उपोषण

चौकशी अहवालात रोजगार सेवक दोषी आहे. परंतु, निलंबनाची कारवाई केली जात नसल्याने अनेक प्रकार उघडकीस आले आहेत. पाठबळ देण्यासाठी पळवाट शोधली जात आहे. राजकीय दबाव वाढविला जात आहे. खैरलांजी बोगस मजूर प्रकरणात दोषी आढळून आलेल्या रोजगार सेवकाला पाठबळ दिल्यास आमरण उपोषण करण्यात येणार असल्याची माहिती उपसरपंचांसह सदस्यांनी दिली आहे.

तीन वर्गखोल्या अन सात वर्ग, त्यातही ओलच ओल...!

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : जिल्हा परिषद उच्च प्राथमिक शाळा बोथली येथील तीन वर्ग खोल्या पावसाच्या पाण्याने गळतात. भिंतीवाटे गळलेले पाणी वर्ग खोल्यात पसरते. बसायला दुसरीकडे जागाच नाही. त्यामुळे तीन वर्ग खोल्यात सात वगार्चे विद्यार्थी कोंबून घेतले जातात. वर्गभर पसरलेल्या पाण्याच्या ओलाव्यात विद्यार्थ्यांना दिवसभर बसावे लागत आहे. धोकादायक दोन वर्गखोल्या असल्याची कल्पना शाळा व्यवस्थापन समितीने प्रशासनाला दिली आहे. प्रशासनाने या लहान बालकांच्या जीवाशी खेळ मांडला आहे काय, असा प्रश्न पालकांनी केला आहे.

पावसाळ्यात भिंतीला ओल आलेली असते. वर्ग खोल्यात भिंतीतून झरपत आलेले पाणी शाळेच्या इमारतीला धोका निर्माण करू शकते. तीन खोल्यात पहिली ते सातवीपर्यंतचे एकूण ६५ विद्यार्थी कोंबल्यासारखे बसविले जातात. विद्यार्थ्यांना खाली अंथरलेल्या चटईवर बसवले जाते. आपण या धोकादायक इमारतीत बसतो, अध्यापन-अध्ययन करतो त्या बालकांना अजिबात कल्पना नाही.

यमाच्या रूपाने चार भिंती कधी दगा देतील याच्या नेम राहिला नाही. शिक्षकांना मात्र भविष्यात घडणाऱ्या या धोकादायक वर्ग खोल्यांची कल्पना आलेली असली तरी ते मात्र कुठेच वाच्यता करू शकत नाही. संकटाची चाहूल आधीच शाळा व्यवस्थापनाला लागली होती. त्यामुळे बोथली शाळेच्या शाळा व्यवस्थापन समितीने या धोकादायक वर्ग खोल्यांची माहिती ठरावासकट ७ मार्च रोजीच लेखी पत्र देऊन प्रशासनाला करून दिली होती. त्या पत्रात इमारत कधीही पडू शकते. जीवितहानी होऊ शकते.

नूतन कन्या शाळेत शिक्षक पालक संघ कार्यकारिणी गठित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : स्थानिक नूतन कन्या शाळेत पालक शिक्षक संघाची कार्यकारिणी गठित करण्यात आली. सभेच्या अध्यक्षस्थानी शाळेच्या मुख्याध्यापक निलु तिडके होत्या. यावेळी वर्ग 5 ते 12 च्या प्रत्येक तुकडीतील एक अशा उपस्थित पालकांमधून 39 पालक सदस्यांची निवड करण्यात आली. त्यातून श्री. विरेंद्र सुर्यवंशी यांची शिक्षक पालक संघाचे उपाध्यक्ष आणि श्री .शरद तिडके यांची सहसचिव म्हणून निवड झाली. सर्व निवड झालेल्या सदस्यांचे शाळेच्या वतीने आंबा ,सिताफळ,रिठा,आपटा, बेल ,शेवगा ,साग यासारख्या बहुगुणी वृक्षांचे रोप देऊन वर्गशिक्षकांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला .या वृक्षांचे संवर्धन व संगोपन करून पर्यावरण रक्षणासाठी हातभार लावण्याचा संकल्प पालक सदस्यांनी केला . पालक शिक्षक संघाच्या अध्यक्षा व मुख्याध्यापक निलु तिडके यांनी शाळेच्या विविध उपक्रमांची माहिती देऊन वार्षिक शैक्षणिक नियोजन व शाळेच्या प्रगतीचा आढावा प्रास्ताविकातून सादर केला.

पालकांकडून सहकायाची भावना व्यक्त करुन पालक-बालक-शिक्षक समन्वयातून

पाल्यांचा सर्वांगीण विकास हेच ध्येय असावे ही अपेक्षा व्यक्त करुन सुजाण पालकत्वावर प्रकाश टाकला. नवनियुक्त उपाध्यक्ष विरेंद्र सुर्यवंशी आणि सहसचिव शरद तिडके यांनी शाळेविषयी स्नेहभाव व्यक्त करून पाल्यांच्या प्रगतीसाठी हवे ते सर्व सहकार्य करण्याचे आश्वासन दिले. याप्रसंगी सर्व शिक्षकांनी स्वतःचा परिचय करून दिला.माता पालक संघाच्या सचिव विभा नानोटी यांनी माता पालकांना माता पालक संघाचे उद्दिष्ट आणि उपक्रम याविषयी माहिती देऊन माता पालक संघाचे गठन केले यावेळी उपमुख्याध्यापक कैलास कुरंजेकर, पर्यवेक्षक श्रद्धा रामेकर , प्रिया ब्राह्मणकर उपस्थित होत्या. सभेचे संचलन शिक्षक पालक संघाच्या सचिव स्नेहल सार्वे व आभार प्रदर्शन रोहिणी मोहरील यांनी केले .मागील सत्राच्या पालक सभेचे अहवाल वाचन सौ .जयश्री केळवदे यांनी केले. यावेळी मोठ्या संख्येने पालक उपस्थित होते.या सभेच्या यशस्वीतेकरिता सर्व शिक्षकांचे सहकार्य लाभले.

आठ वर्षीय मुलीवर बिबट्याने केला हल्ला... तुडमारी येथील घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : तालुक्यातील जंगल शिवारातील ग्राम तुडमापुरी येथे आई-वडिलांसोबत मॉर्निंग वॉकला गेलेल्या आठ वर्षीय मुलीवर बिबट्याने हल्ला चढविला. आई-वडिलांच्या सतर्कतेने आरडाओरड केल्यानंतर बिबट्या पळाला व सुदैवाने मुलगी बचावली. किरकोळ रित्या जखमी झालेल्या मुलीचा उपचार साकोली येथील उपजिल्हा रुग्णालयात सुरू आहे.

प्राप्त माहितीनुसार तालुक्यातील ग्राम तुडमापुरी निवासी टेकराम कृष्णा घोरमारे आपल्या पत्नी व आठ वर्षीय मुलगी धनश्री टेकराम घोरमारे सोबत सकाळी सहा वाजेच्या दरम्यान गावाजवळ मॉर्निंग वॉकला गेले होते घराकडे परत येत असताना टेकराम घोरमारे व पत्नी पुढे चालत होती तर धनश्री ही पाठीमागे चालत होती. यादरम्यान बिबट्याने धनश्रीवर हल्ला चढविला व तिला खाली पाडून ओढत नेण्याच्या प्रयत्न केला पूढे चालत असलेल्या

आई-वडिलांना धनश्री चा आवाज येताच त्यांनी आरडाओरड केली व टेकरामने हातात असलेली बॉटल बिबट्याकडे भिरकावली त्यामुळे बिबट्याने तिथून पळ काढला. बिबट्याच्या हल्ल्यात जखमी झालेल्या धनश्री ला तातडीने उपजिल्हा रुग्णालय साकोली येथे दाखल करण्यात आले धनश्री च्या हातावर पाठीवर व पायावर बिबट्याच्या पंजाने वरफटन्याच्या किरकोळ जखमा असून उपजिल्हा रुग्णालयात उपचारानंतर धनश्री स्वस्थ आहे. या घटनेची माहिती मिळताच भाजपाचे जिल्हा अध्यक्ष प्रकाश बाळबुद्धे यांनी रुग्णालयात जाऊन धनश्रीची व तिच्या कुटुंबीयांची भेट घेऊन विचारपूस केली तसेच वन विभागाकडे पाठपुरावा करून आर्थिक मदत मिळवून देण्याचे आश्वासन दिले.

दोन महिने उलटूनही 'रोहयो' कामाची मजुरी मिळेना !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

किटाडी : शासनाच्या मग्रारोहयो अंतर्गत लाखनी तालुक्यातील किटाडी येथे स्थानिक प्रशासनाच्या वतीने मामा तलावाच्या खोलीकरणाचे काम मे २०२४ मध्ये पूर्ण करण्यात आले. मात्र, जवळपास दोन महिन्यांपासून मजुरांच्या बचत खात्यात कामाचा मोबदला मजुरीच्या स्वरूपात जमा न झाल्याने हातावर आणून पानावर खाणाऱ्या मजुरांची आर्थिक कोंडी होत आहे.

परिणामी, मजूर अडचणीत सापडले आहे. या परिस्थितीत शासनाने मग्रारोहयोच्या अकुशल कामाची मजुरी तत्काळ बँक खात्यात जमा करावी, अशी मागणी ग्रामरोजगार सेवक रमेश कोहपरे यांच्यासह मजूर वर्गाकडून केली जात आहे.

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या माध्यमातून ग्रामीण भागात गाव पातळीवरील विकासकामांना गती येते. या योजनेच्या माध्यमातून जॉब कार्डधारक मजुरांना किमान शंभर दिवस काम

देण्याची हमी दिली जाते व गावातील मजूर वगार्ला गावातच रोजगार उपलब्ध करून दिला जातो.

कामाचा मोबदला म्हणून नोंदणीकृत हजेरीपटावरील मजुरांची मजुरी त्यांच्या बचत खात्यावर जमा केली जाते. मात्र, दोन महिन्यांचा कालावधी लोटूनही केलेल्या कामाची मजुरी अजूनपर्यंत मिळाली नसल्याने मजूर वर्गात तीव्र रोष निर्माण झाला आहे.

मजुरांना त्यांच्या कष्टाचा मोबदला कधी ?

ग्रामीण भागात उन्हाळ्यात मग्रारोहयो अंतर्गत मोठ्या प्रमाणात अकुशल कामे केली जातात. मजूर वर्ग आपल्या कुटुंबासह उन्हातान्हात घाम गाळूनही वेळेवर कामाची मजुरी उपलब्ध होत नाही. मजुरांना त्यांच्या कष्टाचा मोबदला कधी मिळणार? याकडे मजुरांचे लक्ष लागून आहे. आता अर्धा पावसाळा लोटूनही उन्हाळ्यात केलेल्या रोहयो कामाची मजुरी अद्याप मिळाली नाही. शासन याबाबत उदासीन असल्याचे दिसते. असे म्हटल्यास वावगे ठरू नये.

मग्रारोहयो अंतर्गत उन्हाळ्याच्या दिवसात तलावाचे गाळ काढण्याचे काम पूर्ण झाले. मात्र, गत दीड ते दोन महिन्यांपासून कामाची रक्कम खात्यात वळती झाली नाही. त्यामुळे आर्थिक अडचण निर्माण झाली आहे. आपल्या कष्टाचे पैसे बँक खात्यात जमा झाले का, याची चौकशी करून मजूर हवालदिल झाले आहेत. गोरगरीब मजुरांचा व त्यांच्या कुटुंबाचा तरी शासनाने विचार करावा.

- रामानंद निपाणे, मजूर, किटाडी.

धान रोपणी करताना सर्पदंशाने महिलेचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : धान रोवणी करीत असलेल्या ६५ वर्षीय महिलेला विषारी सापाने दंश केल्याने त्यांचा लाखनी येथील ग्रामीण रुग्णालयात उपचारादरम्यान मृत्यू झाला. ही घटना शनिवारी दुपारी १२ वाजताच्या सुमारास दैतमांगली शेतशिवारात घडली.

गुणाबाई नत्थुजी मने (६५, सावरी मुरमाडी, ता. लाखनी) असे मृत महिलेचे नाव आहे. गुणाबाई मने शनिवारी महिलांसोबत रोवणी करण्यासाठी दैतमांगली येथे गेल्या होत्या. रोवणी करीत असताना दुपारच्या सुमारास एका विषारी सापाने त्यांना दंश केला. त्यानंतर तातडीने ग्रामीण रुग्णालय लाखनी

येथे त्यांना हलविण्यात आले. डॉक्टरांनी तपासणी केली असता त्यांना मृत घोषित केले. त्यांच्या मागे एक मुलगा, दोन मुली असा आप्त परिवार आहे. त्यांच्या पार्थिवावर रविवार (दि. २१) सकाळी ११ वाजता सावरी मुरमाडी येथील स्मशानभूमीत अंत्यसंस्कार करण्यात येईल. सैन्य दलात कार्यरत चितेश मने यांच्या त्या आई होत.

कन्हालमोह केस में आरोपी बरी

2 साल पहले नग्न मिली थी महिला, जांच रिपोर्ट में थी दुराचार की बात

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा तहसील के कन्हालमोह में राष्ट्रीय राजमार्ग के पुल के पास दो साल पहले एक महिला नग्न अवस्था में देखी गई थी. उक्त महिला के साथ दुराचार कर मारपीट की गई थी. कारधा पुलिस ने घटना की जांच की और दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया. पुलिस ने जांच करने के बाद जिला एवं सत्र न्यायालय भंडारा में आरोप पत्र दायर किया. मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर. जी. अस्मार ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और सबूतों की जांच करने के बाद 25 जुलाई को अपना फैसला देते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया. आरोपी के वकील एड. सारंग कोतवाल को मिलने वाली फीस पीड़िता की देने की विनती भी उन्होंने की.

भंडारा तहसील में कन्हालमोह राष्ट्रीय राजमार्ग पुल के पास 2 अगस्त 2022 की सुबह उक्त पीड़िता नग्न अवस्था में मिली, जिससे जिले में सनसनी फैल गई. कारधा पुलिस ने गहन जांच की और दो व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 362, 366, 376 डी, 307, 354 ची, 120 ची के तहत मामला दर्ज किया. जांच पूरी होने के बाद जिला सत्र न्यायालय भंडारा में आरोप पत्र दाखिल किया गया.

पीड़िता के प्रति सहानुभूतिः जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर. जी. अस्मार ने पीड़िता के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और उसके साथ हुए अन्याय पर खेद जताया. फैसले के दौरान उन्होंने कहा कि वे न्याय के संतुलन को बनाए रखने के लिए भी जिम्मेदार हैं ताकि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को सजा न मिले, फैसले के पैराग्राफ 301 में कोर्ट ने आरोपी की ओर से पेश हुए वकील सारंग कोतवाल की तारीफ की और सरकारी वकील वजानी ने भी सही तरीके से कोर्ट में अपना पक्ष रखा. अधि,सारंग कोतवाल ने भी पीड़िता के साथ हुई घटना पर दुख जताया. न्यायाधीश अस्मार ने अपने फैसले में उक्त मामले में प्राप्त फीस की राशि पीड़िता को देने की एड. कोतवाल से विनती की.

पुलिस जांच में ऐसा था घटनाक्रम

पुलिस की जांच में उक्त महिला 30 जुलाई 2022 की सुबह सावरटोली के अपने घर से निकली थी. रास्ते में श्रीराम उरकुडे नामक व्यक्ति ने उसे कमरगांव छोड़ने की बात कहकर गाड़ी में बैठा लिया. वह उसे कहीं और ले गया और उसके साथ दुराचार किया. इसके बाद उसे 31 जुलाई 2022 को सड़क अजुर्नी तहसील के पलसगांव में छोड़ दिया. तभी एक अजनबी ने उसे लाखनी में लाकर छोड़ दिया. जैसे ही लाखनी के स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने पीड़िता की सूचना लाखनी पुलिस को दी.

पुलिस उसे थाने ले आई. रातभर थाने में रहने के बाद वह सुबह बिना किसी को बताए चली गई. 1 अगस्त 2022 को पीड़िता को रात करीब 8 बजे कन्हालमोह गांव के पास धर्मा नामक ढाबे के सामने एक टायर की दूकान के पास देखा गया. दाबे के मालिक ने उसकी मदद करने की इच्छा जताई. लेकिन पीड़िता ने मदद लेने से इनकार कर दिया. उसके बाद ढाबा कर्मचारी लुक्का उर्फ अमित सायें और टायर पंचर दुकान के मालिक इजाज अंसारी ने उसे मोटरसाइकिल पर बिठाया और गुंधारा जाने वाली सड़क पर खेत परिसर में ले गए और उसके साथ दुराचार किया. उसे वहां नग्न अवस्था में छोड़कर भाग निकले

60 गवाहों के परीक्षण के बाद दिया फैसला

पुलिस की ओर से आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया. सरकार की ओर से 60 गवाहों से परीक्षण कराया गया. पूरे गवाह से आरोपियों के वकीलों ने जिया की. कोर्ट के समक्ष विभिन्न कानूनों के मामलों पर चर्चा की गई. अंत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर. जी. अस्मार ने 25 जुलाई को 251 पन्नों के फैसले के जरिए आरोपियों को बरी कर दिया.

बाघ की दहशत में गणेशपुर

गश्त बढ़ाई, ड्रोन और नाइट विजन कैमरे तैनात

शहर वासियों से संयम बरतने की अपील

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहर से सटे गणेशपुर में सोमवार दोपहर बाघ के पगमार्क देखे जाने और जानवरों पर बाघ के हमले से कुछ समय के लिए दहशत फैल गई. जिला परिषद सदस्य यशवंत सोनकुसरे ने भंडारा वन विभाग को तुरंत इसकी सूचना दी. वन विभाग सतर्कता बरतते हुए ड्रोन कैमरा और नाइट विजन कैमरों की मदद से परिस्थिति पर नजर बनाए हुए है.

सोमवार दोपहर करीब 1 बजकर 15 मिनट पर भंडारा अखिल सभागृह के पास से पुलिस मुख्यालय होते हुए गणेशपुर श्मशान घाट तक जाने वाले कच्चे रास्ते पर किसान कैलाश बड़वाईक और सुनील साकुरे को खेत जाते हुए पगमार्क दिखे. पूछताछ करने पर उनके खेत के बगल में परिसर के किसानों को कुछ और निशान दिखाई दिए. उन्होंने तुरंत जिला परिषद सदस्य यशवंत सोनकुसरे को फोन पर जानकारी दी जिसके बाद सोनकुसरे घटनास्थल पर पहुंचे और पगमार्क के फोटो वन विभाग, एनजीओ और मानद वन्यजीव रक्षक को भेज बाघ होने की पुष्टि की.

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर भंडारा सहायक वन संरक्षक सचिन निलख और राउन्ड ऑफिसर अंजन वासनिक भी पहुंचे. बकरा छोड़ भागा बाघ इस घटना के तुरंत बाद गणेशपुर पंप हाउस के पीछे सुरेश बड़वाइक और कांबले बकरियां चरा रहे थे.

बाघ ने वैनगंगा नदी किनारे श्रावण हेड़ाऊ के खेत में खंडहर के पास से करीब 50 बकरों के झुंड से एक बड़े बकरे को खींच बांस और घनी झाड़यों में ले गया. किसान सुरेश बड़वाईक ने बताया की बाघ जिस बकरे को खींच कर ले गया वह करीब 40 से 50 किलो का था. जब उन्हें घनी झाड़यों और बांस के जंगल से बकरे के चिल्लाने की आवाज आई तो वे आवाज की दिशा में हल्ला करते हुए दौड़े जिस वजह से बाघ बकरे को वहीं छोड़ भाग गया.

सतर्कता बरतें किसान और शहर के नागरिक

संजय मेंढ़े ने बताया की पिछले वर्ष भी इसी स्थान पर बाघ आ चुका है. यह कच्ची सड़क अब बाघ का गंतव्य मार्ग बन चुकी है. पगमार्क 15 सेंटीमीटर से कुछ बड़े आकर के हैं जिससे साफ पता चलता है की यह बूढ़े बाघ के निशान हैं. हालांकि जमीन भीगी होने की वजह से पगमार्क के निशान कुछ बड़े आए हैं. पिछले कुछ वर्षों से इस क्षेत्र के गणेशपुर, पिंडकेपार और आसपास के गावों के खेतों में शाकाहारी प्राणियों के पीछे शिकार की खोज में बाघों के आने का सिलसिला शुरू है. हालांकि बाघ के पगमार्क दिखने के बाद गश्त बढ़ा दी गई है और खोजी अभियान जारी है. किसानों ने विशेषतः सुबह के समय खेतों में जाते समय सतर्कता बरतने की जरूरत है. ड्रोन और नाइट विजन कैमरों की मदद से निगरानी रखी जा रही है. वन विभाग ने बाघ से दूर रहने, अकेले ना घूमने की अपील की है. साथ ही शहर के लोगों को निर्देश दिए हैं की वे संयम बरतें और गणेशपुर के इन खेतों से दूर ही रहें.

–संजय मेंदे,
वन परिक्षेत्रअधिकारी, भंडारा.

बस चालक को 6 माह का सश्रम कारावास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : बाइक सवार को अपने वाहन से कुचलकर मौत के मुंह में पहुंचाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए पवनी न्यायालय के प्रथम श्रेणी न्यायाधीश ए.वी. पंडित ने आरोपी स्कूल बस चालक शरद रामकृष्ण लिचड़े (कोंढा, पवनी) को छह माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई. 28 नवंबर, 2018 को शाम करीब 4:30 बजे अडयाल पुलिस थाने की सीमा में भावड से कोंढा रोड पर आरोपी शरद रामकृष्ण लिचड़े (कोंढा) की स्कूल बस नंबर एमएच 36 एएफ 914 दोपहिया नंबर एमएच 31वी8317 से टकरा गई. इलाज के दौरान दोपहिया वाहन चालक भावड निवासी जीतेंद्र बाबूराव चिमनकर (28) की मौत हो गई. इस मामले में आईपीसी की धारा 279 304 (अ) के तहत अडयाल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया. जांच पुलिस उप- निरीक्षक हरिश्चंद्र मोरे ने की. जांच के बाद उक्त मामला पवनी न्यायालय को सौंप दिया गया. गवाहों की पडताल के बाद पवनी कोर्ट के प्रथम श्रेणी न्यायाधीश ए.वी. पंडित ने आरोपी को आईपीसी की धारा 304 अ के तहत छह महीने के कठोर कारावास की सजा और दो हजार रुपये का जुमार्ना सुनाया. आईपीसी की धारा 279 के तहत एक महीने के कठोर कारावास की सजा भी सुनाई.

1 ही रात में 6 घरों में चोरी, डर का माहौल

सालुंखे के घर को भी बनाया निशाना, बढ़ रही चोरी की घटनाएं

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर शहर में एक ही रात में नगरपालिका उप मुख्याधिकारी सुनील साळुंखे के घर सहित 5 घरों में चोरी हुई यह घटना रविवार 28 जुलाई की रात्रि में में हुई. एक ही प्रभाग में हुई घटना में अज्ञात चोरों ने घर के परिसर में साइकिल सहित सामान उड़ा लिया है. औराम नगर स्थित पंचायत समिति कर्मचारी महेश इखार, शिक्षक अजय पटले, जया बति, मॉईल अधिकारी धनराज रहांगडाले और पंकज बडवाइक के घर से लाखों को सामग्री और दो दोपहिया वाहन चोरी हो गए चूंकि के सभी पौड़ित अपने रिश्तेदारों के यहां गए थे, इसलिए चोरों ने बंद घर का फायदा उठाया. सोमवार 29 जुलाई को तुमसर पुलिस को मिली चोरी की

सूचना के बाद प्रशासन में हड़बड़ी देखी गई. जुलाई माह में 10 चोरियां जुलाई माह में तुमसर पुलिस सीमा में 10 से अधिक चोरी की घटनाएं हुई है. इसमें 19 जुलाई को विनोबानगर के सेवानिवृत्त पुलिस शास्त्री, देवाड़ी के मनुका अटराये, दुर्गा नगर के प्रशांत रंगारी और अविनाश इलमे समेत शहर में 10 चोरियां हुई. इनमें से किसी भी मामले में अज्ञात चोर पुलिस की पकड़ में नहीं आया है.

चोरी की बाइक खरबी में मिली

28 जुलाई की आधी रात को बड़वाइक और पटले के पर से दो मोटरसाइकिल क्रमांक एमएच 36 डब्ल्यू 5043 और एमएच 12 एलके 9893 चोरी हो गई. इनमें से एक दोपहिया वाहन नंबर एमएच 12 एलके 9003 खरबी खेत परिसर में चंद्रशेखर बडवाइक को खेत में पड़ी मिली. बताया जा सा है कि दोपहिया वाहन का पेट्रोल खत्म हो गया इसलिए उसे वहीं छोड़ दिया.

मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मुआवजे की मांग

200 यूनिट बिजली उपभोक्ताओं को मुफ्त प्रदान करे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा और पवनी तहसील में भारी बारिश के चलते हुए नुकसान को देखते हुए किसानों को तुरंत मुआवजा देने की मांग भंडारा के शिवसेना विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुंबई में मुलाकात कर की. साथ ही बिजली विभाग द्वारा बढ़ाई गई घरेलू कनेक्शन की बिजली दरों को कम करने या उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने की मांग भी भोंडेकर ने मुख्यमंत्री से की है. पिछले सप्ताह पवनी तहसील में हुई बारिश से तहसील के किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई. विधायक भोंडेकर ने स्वयं दो दिनों तक पवनी तहसील के भारी वर्षा बेल्ट क्षेत्र का दौरा किया और स्थिति को समझा. जिसके बाद वह सीधे मुंबई पहुंचे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने का समय

मांगा. मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को भोंडेकर को मिलने आमंत्रित किया. विधायक भोंडेकर ने मुख्यमंत्री को पवनी तहसील में भारी बारिश और किसानों को हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी और उनके सामने भंडारा जिले के किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग रखी. इस यात्रा के दौरान विधायक भोंडेकर ने मुख्यमंत्री के समक्ष भंडारा जिले के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की समस्या भी उठाई. बिजली विभाग ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी की है. भोंडेकर ने मुख्यमंत्री को निवेदन सौंप जिसमें बढ़ी हुई दरों को वापस लेने या उपभोक्ताओं को प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की मांग की. मुख्यमंत्री ने इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का वादा किया.

घरेलू गैस सिलेंडरों का होटल में उपयोग

2 सिलेंडर जब्त, कारधा पुलिस स्टेशन में मामला किया गया दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला आपूर्ति विभाग ने घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करने वाले दो व्यवसायियों के खिलाफ कार्रवाई की और दी घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए. इस संबंध प में में कारथा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई. भंडारा जिला आपूर्ति विभाग की टीम ने 26 जुलाई को भंडारा तहसील के खमारी बूटी स्थित शक्ति स्वयं सहायता महिला समूह के शिव भोजन केंद्र का निरीक्षण किया तो पता चला कि इस कारोबार में अवैध रूप से इंडेन गैस कंपनी के घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल किया जा रहा है.

इसके अलावा खवास दाबा, भीलेवाड़ा भंडारा में व्यवसाय में एचपी कंपनों के घरेलू गैस सिलेंडर का अवैध रूप से उपयोग किए जाते पाया गया. जब उनसे घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग के बारे में पूछा गया तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके. इसलिए आपूर्ति विभाग की टीम ने शिव भोजन केंद्र और खवास ढाबा से एक-एक सिलेंडर जब्त कर लिया. संबंधित के विरुद्ध 27 जुलाई को पुलिस स्टेशन, कारधा में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 और 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है. उक्त कार्रवाई जिला आपूर्ति अधिकारी नरेश वंजारी के मार्गदर्शन में सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी रतनलाल ठाकरे, प्रभारी निरीक्षण अधिकारी सत्यवान बति, शालिनी बारस्कर, वरिष्ठ लिपिक अनिता वानखेड़े और जिला आपूर्ति कार्यालय की टीम ने की है. जिले के सभी व्यावसायिकों को घरेलू गैस सिलेंडर की बजाए वाणिज्यिक गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक प्रयोजन के लिए करने की अपील जिला आपूर्ति अधिकारी ने की है.

तीन महीने में ही प्रशासकीय - इमारत का प्लास्टर उखडा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : राजस्व विभाग की नई प्रशासकीय इमारत का प्लास्टर केवल तीन महीने में ही उखड़ गया। 8 करोड़ रुपए की निधि से यह इमारत बनी है। प्रशासकीय संकुल के बाहर की दीवार का प्लास्टर बारिश से उखड़ गया है। इमारत में उपविभागीय अधिकारी कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय, पटवारी कार्यालय और अन्य विभागों के कार्यालय हैं।

प्लास्टर उखड़ने से अब ईटें दिखाई दे रही हैं। इस इमारत का निर्माणकार्य गुजरात के ठेकेदार ने किया था। कांग्रेस नेता जय डोंगर ने बताया कि नई इमारत में निकृष्ट दर्जे की सामग्री, निर्माणकार्य के दौरान होनेवाली जल्दी आदि कारण से यह हुआ है। इमारत के निर्माणकार्य का निरीक्षण होना आवश्यक है। अन्यथा प्रशासन के विरुध्द आंदोलन किया जाएगा।

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक –शमशेर खान मोबाईल नंबर – ७९७२७९५६५५ ईमेल–awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !